उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय परियोजनाएं

1020. **कुमारी कमला कुमारी :**
श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार ने भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में अब तक कोई विशेष परियोजना स्थापित नहीं की है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या सरकार का विचार राज्य की जनसंख्या तथा गिर रही प्रति व्यक्ति आय को देखते हुए वहां पर अणु बिजलीघर स्थापित करने का है जिससे कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन मिल सके ?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). उत्तर प्रदेश में अब तक चार बड़ी केन्द्रीय औद्योगिक परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। वे ये हैं : डीजल लोको फैक्ट्री, वाराणसी, गोरखपुर, हैवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट फैक्टरी, हरिद्वार तथा ऐन्टीबियाटिक्स प्लांट, ऋषीकेश। इसके अतिरिक्त नैनी में एक हैवी स्ट्रक्चरल प्रोजेक्ट कार्यान्वित की जा रही है।

(ग) नये आणविक बिजलीघरों की स्थापना करने अथवा विद्यमान बिजलीघरों का विस्तार करने के बारे में तभी विचार किया जा सकेगा जबकि जो बिजलीघर बन रहे हैं उनमें उत्पादन शुरू हो जायेगा और उनकी अर्थव्यवस्था तथा अन्य सम्बद्ध बातों का अध्ययन कर लिया जायेगा।

हैवी इन्जीनियरिंग कारपोरेशन के कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन

1021. **कुमारी कमला कुमारी :**
श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हैवी इन्जीनियरिंग कारपोरेशन के हजारों कर्मचारियों में प्रबन्धकों तथा उसके अध्यक्ष द्वारा हिंदू तथा मुसलिम कर्मचारियों को अलग-अलग बस्तियों में बसाने की साम्प्रदायिक नीति के विरुद्ध प्रदर्शन किया ; और

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

इस्पात और भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) 25, 27 और 29 नवम्बर, 1968 को हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के लगभग 300-400 कर्मचारियों ने कारपोरेशन के प्रबन्धक-वर्ग के मुसलमान कर्मचारियों के जो शिल्पकार छात्रावास में रह रहे थे, कारपोरेशन की बस्ती के निर्दिष्ट क्षेत्रों में बसाये जाने पर प्रबन्धकों के विरुद्ध प्रदर्शन किए थे।

(ख) इस बारे में 2 दिसम्बर, 1968 को राज्य-सभा में औद्योगिक विकास और समवाय-कार्य मन्त्री द्वारा दिए गए वक्तव्य की प्रति संलग्न है।

विवरण

अगस्त, 1967 की घटनाओं के पश्चात् हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के मुसलमान कर्मचारियों को "आर्टिजन होस्टल" नामक इमारत में स्थानान्तरित कर दिया गया था, वे तभी से इस इमारत में, जहां कि रहने की